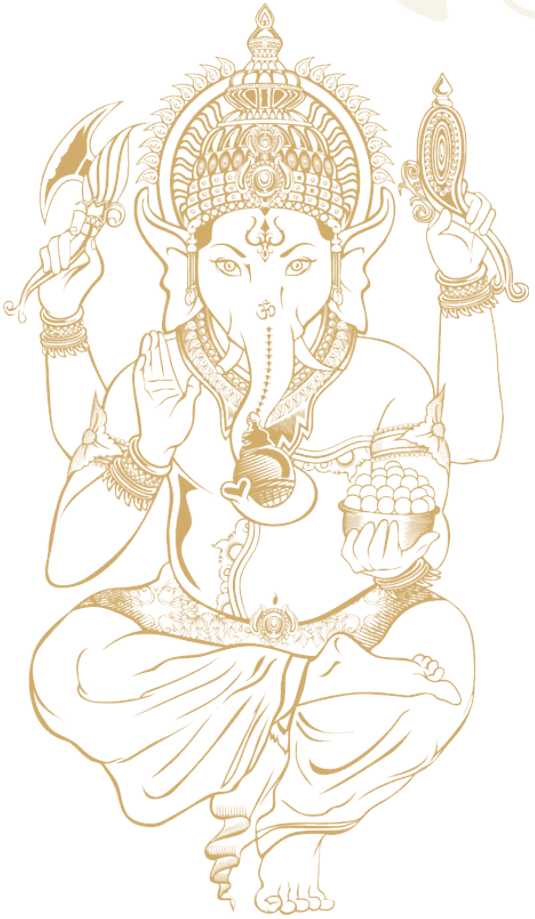

Mr. Himanshu

18 Apr 2005

04:45 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121908102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/04/2005**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	27:02:45 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:18:28 घंटे
वेलान्तर	00:00:39 घंटे
साम्पातिक काल	06:05:09 घंटे
सूर्योदय	05:55:54 घंटे
सूर्यास्त	18:56:25 घंटे
दिनमान	13:00:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:35:27 मेष
लग्न के अंश	07:11:03 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	07:11:03	312:17:44	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	---
सूर्य			मेष	04:35:27	00:58:38	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	24:55:16	11:59:07	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल			मक	26:53:10	00:43:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			मीन	09:23:14	00:29:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	18:10:45	00:07:09	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मेष	09:17:57	01:14:12	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			मिथु	27:08:37	00:02:55	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मीन	28:49:27	00:00:18	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	28:49:27	00:00:18	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	15:33:15	00:02:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:24:14	00:01:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:27:13	00:00:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	07:15:05	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:44

लग्न-चलित

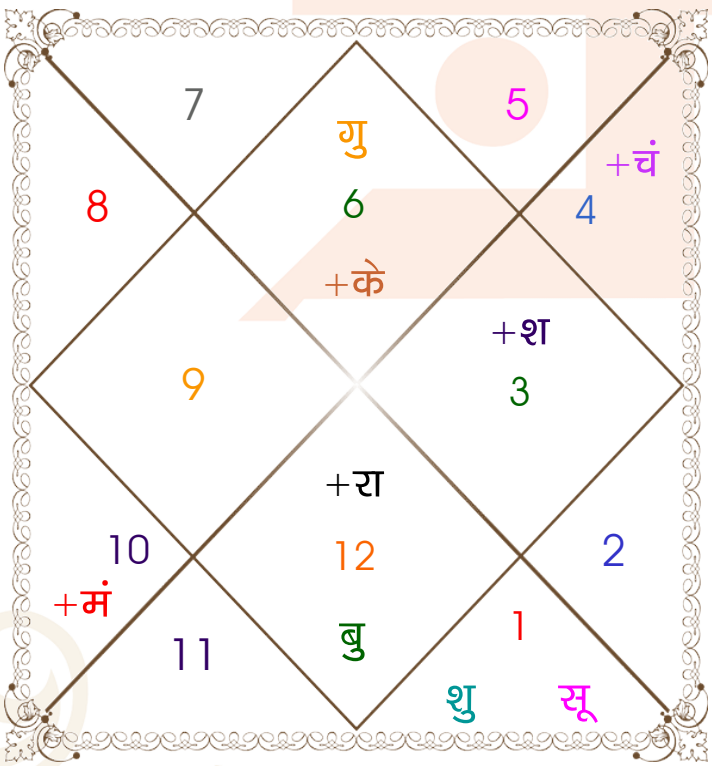

चन्द्र कुंडली

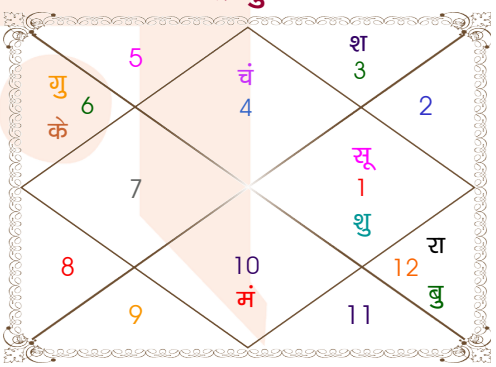

नवमांश कुंडली

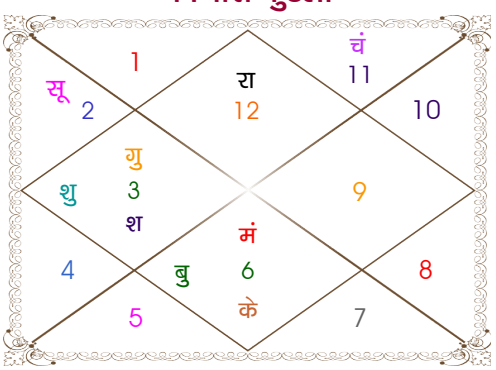

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 5 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/04/2005		09/10/2011		09/10/2018		09/10/2038		09/10/2044	
09/10/2011		09/10/2018		09/10/2038		09/10/2044		09/10/2054	
	00/00/0000	केतु	07/03/2012	शुक्र	08/02/2022	सूर्य	27/01/2039	चंद्र	09/08/2045
	00/00/0000	शुक्र	07/05/2013	सूर्य	08/02/2023	चंद्र	28/07/2039	मंगल	10/03/2046
	00/00/0000	सूर्य	11/09/2013	चंद्र	09/10/2024	मंगल	03/12/2039	राहु	09/09/2047
	00/00/0000	चंद्र	13/04/2014	मंगल	09/12/2025	राहु	27/10/2040	गुरु	08/01/2049
	00/00/0000	मंगल	09/09/2014	राहु	08/12/2028	गुरु	15/08/2041	शनि	09/08/2050
	18/04/2005	राहु	27/09/2015	गुरु	09/08/2031	शनि	28/07/2042	बुध	09/01/2052
राहु	24/10/2006	गुरु	02/09/2016	शनि	09/10/2034	बुध	04/06/2043	केतु	09/08/2052
गुरु	29/01/2009	शनि	12/10/2017	बुध	09/08/2037	केतु	09/10/2043	शुक्र	09/04/2054
शनि	09/10/2011	बुध	09/10/2018	केतु	09/10/2038	शुक्र	09/10/2044	सूर्य	09/10/2054

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/10/2054		09/10/2061		09/10/2079		09/10/2095		10/10/2114	
09/10/2061		09/10/2079		09/10/2095		10/10/2114		00/00/0000	
मंगल	07/03/2055	राहु	21/06/2064	गुरु	27/11/2081	शनि	12/10/2098	बुध	08/03/2117
राहु	25/03/2056	गुरु	15/11/2066	शनि	09/06/2084	बुध	22/06/2101	केतु	05/03/2118
गुरु	01/03/2057	शनि	21/09/2069	बुध	15/09/2086	केतु	01/08/2102	शुक्र	03/01/2121
शनि	09/04/2058	बुध	09/04/2072	केतु	22/08/2087	शुक्र	01/10/2105	सूर्य	09/11/2121
बुध	07/04/2059	केतु	27/04/2073	शुक्र	22/04/2090	सूर्य	13/09/2106	चंद्र	11/04/2123
केतु	03/09/2059	शुक्र	27/04/2076	सूर्य	08/02/2091	चंद्र	13/04/2108	मंगल	07/04/2124
शुक्र	02/11/2060	सूर्य	22/03/2077	चंद्र	09/06/2092	मंगल	23/05/2109	राहु	19/04/2125
सूर्य	10/03/2061	चंद्र	21/09/2078	मंगल	16/05/2093	राहु	29/03/2112		00/00/0000
चंद्र	09/10/2061	मंगल	09/10/2079	राहु	09/10/2095	गुरु	10/10/2114		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।